DR. UMA YADAV
ASSOCIATE PROFESSOR
DEPT. OF ECONOMICS
SOGHRA COLLEGE
BIHAR SHARIF [NALANDA]
B.A PART- I [HONS]

राजस्व एवं लागत की धारणा लागत घुमाव का विश्लेषण

राजस्व, लागत के तत्व & अवधारणा

लागत:- लागत, किसी भी संसाधन या सेवा को प्राप्त करने के लिए भुगतान की जाने वाली राशि है।
अर्थशास्त्र में,
लागत को एक अच्छा या सेवा के उत्पादन में किए गए प्रयासों, सामग्री, संसाधनों, समय और उपयोगिताओं, जोखिमों, और मौन अवसर के मौद्रिक मूल्यांकन के रूप में माना जा सकता है।

राजस्व:- राजस्व एक संगठन द्वारा माल या सेवाओं की से अर्जित आय है।
यह एक संगठन द्वारा भुगतान किए गए कर, ब्याज और लाभांश की कटौती को बाहर करता है। किसी संगठन की लाभप्रदता का स्तर उसकी लागत और राजस्व का विश्लेषण करके निर्धारित किया जा सकता है।

लागत विश्लेषण में विभिन्न संसाधनों, जैसे कि श्रम, कच्चे माल, मशीनों, भूमि और प्रौद्योगिकी को प्राप्त करने के लिए एक संगठन द्वारा किए गए कुल लागतों का अध्ययन शामिल है।
यह एक संगठन को विभिन्न प्रबंधकीय निर्णय लेने में मदद करता है, जिसमें मूल्य का निर्धारण और वर्तमान उत्पादन का स्तर शामिल है।
इसके अलावा, यह एक संगठन को यह तय करने में सक्षम बनाता है कि उपलब्ध विकल्प का चयन करना है या नहीं। जबकि राजस्व विश्लेषण एक संगठन द्वारा विभिन्न स्रोतों से अर्जित कुल आय का अनुमान लगाने की एक प्रक्रिया है।

एक संगठन, को लाभदायक कहा जाता है। यदि उसका कुल राजस्व उसके द्वारा की गई लागत से अधिक है।

लागत के तत्व

सामग्री:- सामग्री से तात्पर्य एक पदार्थ से होता है, जिसमें से एक उत्पाद बनाया जाता है, जो वस्तुओं के उत्पादन / निर्माण में मदद करता है।

सामग्री को दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है।

प्रत्यक्ष सामग्री , अप्रत्यक्ष सामग्री

प्रत्यक्ष सामग्री:- एक ऐसी सामग्री का संदर्भ होता है जो सीधे किसी विशिष्ट उत्पाद, नौकरी या प्रक्रिया से सम्बन्धित होती है।

प्रत्यक्ष सामग्री तैयार उत्पाद का एक अभिन्न अंग बन जाती है।

जैसे:-

⇒ टिम्बर फर्नीचर बनाने के लिए कच्चा माल है।

⇒ चीनी बनाने के लिए गन्ना।

⇒ कपड़ा उद्योग के लिए कपड़ा।

⇒ गहने बनाने के लिए सोना।

⇒ डिब्बाबंद खाने और पीने के लिए डिब्बे।

अप्रत्यक्ष सामग्री:- यह एक ऐसी सामग्री को संदर्भित करता है,

जो किसी विशेष उत्पाद या गतिविधि से सीधे सम्बन्धित नहीं है।
ऐसी सामग्रियों को उत्पाद के साथ आसानी से पहचाना नहीं जा सकता है।

जैसे:-

⇒ चिकनाई मशीनों के लिए तेल।
⇒ पुस्तकों के प्रकाशन के लिए मुद्रण और लेखन सामग्री।
⇒ फर्नीचर बनाने के लिए नाखून।
⇒ वस्त्र निर्माण के लिए धागे।

श्रम:- उत्पादन के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में कार्य करता है। एक संगठन को कच्चे माल को तैयार माल में बदलने के लिए श्रम की आवश्यकता होती है।
श्रम लागत, लागत का मुख्य तत्व है।

श्रम दो प्रकार के हो सकते हैं।
प्रत्यक्ष श्रम **अप्रत्यक्ष श्रम**

प्रत्यक्ष श्रम:-
श्रम का संदर्भ देता है जो किसी उत्पाद के निर्माण में सक्रिय भाग लेता है। इस प्रकार के श्रम को प्रक्रिया श्रम, उत्पादक श्रम या परिचालन श्रम के रूप में भी जाना जाता है।

प्रत्यक्ष श्रम से सम्बन्धित लागतों को प्रत्यक्ष श्रम लागत कहा जाता है। ये लागत सीधे उत्पादन के स्तर में परिवर्तन के साथ बदलती हैं, इस प्रकार इसे एक चर व्यय के रुप में संदर्भित किया जाता है।

अप्रत्यक्ष श्रम:- श्रम को संदर्भित करता है जो सीधे किसी उत्पाद के निर्माण से संबंधित नहीं है। अप्रत्यक्ष श्रम लागत आउटपुट की मांग में परिवर्तन के साथ भिन्न हो सकती है या नहीं भी हो सकती है।

इस प्रकार के श्रम का उपयोग कारखाने कार्यालय और बिक्री और वितरण विभाग में किया जाता है।

व्यय:- उन लागतों का संदर्भ लें जो सामग्री लागत और श्रम लागत के अलावा तैयार माल के उत्पादन में खर्च होती हैं।